हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

संस्थान में 28 जुलाई, 2014 को हुई हिन्दी कार्यशाला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में 28 जुलाई, 2014 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कार्यालय के सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया । कार्यशाला की अध्यक्षता संस्थान के **निदेशक, डा॰ वी॰ पी॰ तिवारी**, ने की ।

कार्यशाला में हिन्दी अधिकारी, श्री प्रदीप भारद्वाज ने सभी सदस्यों का स्वागत किया तत्पश्चात् श्री भारद्वाज ने राजभाषा अधिनियम 1963 तथा इसके अन्तर्गत बनाए गए राजभाषा नियम 1976 के बारे में विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संघ **का** राजकीय कार्य हिन्दी में करने के लिए बनाए गए वार्षिक कार्यक्रम और इस दिशा में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा किए जा रहे कार्यों से भी अवगत करवाया ।

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि **संस्थान** राजभाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है लेकिन अभी इस क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना शेष है । साथ ही विश्वास दिलाया कि हम संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित मानकों को भविष्य में पूरी तरह प्राप्त कर लेंगे ।

इस अवसर पर **डा॰ वी॰ पी॰ तिवारी**, निदेशक महोदय ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आहवान किया कि राजभाषा को किसी प्रकार के दबाव में नहीं बल्कि इसे हम सभी दिल से अपनायें । अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला एक शोध से सम्बन्धित संस्थान है तथा **यह** सर्वविदित है कि शोध संबंधी अधिकांश पठन-पाठन सामग्री अंग्रेजी भाषा में ही उपलब्ध होती है । इसलिए राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में कुछ कठिनाई आ सकती है, परन्तु फिर भी हम इस दिशा में वांछित परिणाम हासिल करने के लिए भरसक प्रयास **करेंगे** । उन्होंने आगे बताया कि प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी को **बढ़ावा** देने के लिए संस्थान द्वारा किये जा रहे प्रयास संतोषजनक है ।

अंत में संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) डा॰ के॰एस॰ कपूर ने कार्याशाला में उपस्थित सभी भागीदारों को धन्यवाद किया तथा राजभाषा के विषय में प्रदान की गई महत्वपूर्ण जानकारी की उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सराहना की ।

हिन्दी कार्यशाला
28.08.2014